Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

Test Booklet No.

D-2509

Time : **2 1/2** hours]

PAPER-III
SANSKRIT

[Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **40**

Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....

SANSKRIT
संस्कृत

Paper-III
प्रश्नपत्रम्-III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. **All** questions should be attempted in Sanskrit language only.

सूचना : अस्य प्रश्नपत्रस्य **द्विशतम् (200)** अङ्काः सन्ति । प्रश्नपत्रमिदं **चतुर्षु** खण्डेषु विभक्तमस्ति । **सर्वेषां** प्रश्नानामुत्तरं संस्कृतभाषायामेव देयम् । अभ्यर्थिभिः पृथङ्निर्दिष्टविशेषसूचनानुसारं खण्डान्तर्गतप्रश्नाः समाधेयाः ।

SECTION – I
खण्ड: – I

Note : This **section** contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and carries **five (5)** marks.

(5 × 5 = 25 Marks)

सूचना : अस्मिन् खण्डे निम्नलिखितं गद्यभागमाश्रित्य **पञ्च (5)** प्रश्ना: सन्ति । एकैकस्य प्रश्नस्य प्रायश: **त्रिशत् (30)** शब्दात्मकम् उत्तरं देयम् । एकैकस्य प्रश्नस्य कृते **पञ्च** अङ्का: सन्ति । **(5 × 5 = 25 अंङ्का:)**

अस्ति चम्पकाभिधानायां नगर्यां परिव्राजकावसथ: । तत्र चूडाकर्णो नाम परिव्राट् प्रतिवसति । स च भोजनावशिष्टभिक्षान्नसहितं भिक्षापात्रं नागदन्तकेऽवस्थाप्य स्वपिति । अहञ्च तदन्नमुत्प्लुत्य प्रत्यहं भक्षयामि । अनन्तरं तस्य प्रियसुहृद् वीणाकर्णो नामपरिव्राजक: समायात: । तेन सह कथाप्रसङ्गावस्थितो मम त्रासार्थं जर्जरवंशखण्डेन चूडाकर्णो भूमिमताडयत् । वीणाकर्ण उवाच – सखे, किमिति मम कथाविरक्तोऽन्यासक्तो भवान् ? चूडाकर्णेनोक्तम् - मित्र, नाहं विरक्त:, किन्तु पश्यायं मूषिको ममापकारी सदा पात्रस्थं भिक्षान्नमुत्प्लुत्य भक्षयति । वीणाकर्णो नागदन्तकं विलोक्याह कथं मूषिक: स्वल्पबलोऽप्येतावद्दूरम् उत्पतति ?

तदत्र केनापि कारणेन भवितव्यम् । तथा चोक्तम् –

अकस्माद्युवती वृद्धं केशेष्वाकृष्य चुम्बति ।
पतिं निर्दयमालिङ्गय हेतुरत्र भविष्यति ।।

1. चूडाकर्ण: कुत्र प्रतिवसति ? कथं च स्वपिति ?

2. चूडाकर्णस्य पार्श्वे क: समायात: ? तेन सह चूडाकर्ण: वार्तायां किमकरोत् ?

3. वीणाकर्णेन किं पृष्टम् ? किमुत्तरं च प्राप्तम् ?

4. वीणाकर्णस्य किं प्रत्युत्तरमासीत् ?

5. अन्तिमपद्यस्य किं तात्पर्यम् ?

SECTION – II
खण्ड: – II

Note : This section contains **fifteen (15)** questions, each to be answered in about **thirty (30)** words. Each question carries **five (5)** marks. **(15 × 5 = 75 Marks)**

सूचना : अस्मिन् खण्डे **पञ्चा**ङ्कपरिमिता: **पञ्चदशप्रश्ना:** सन्ति । एकैकस्य प्रश्नस्य प्रायश: **त्रिंशत् (30)** शब्दात्मकम् उत्तरं देयम् । **(15 × 5 = 75 अङ्का:)**

6. नासदीयसूक्तस्य दार्शनिकं महत्त्वं विविच्यताम् ।

7. पौर्णमासयागे हविर्ग्रहणक्रमं विवेचयत ।

8. पञ्चमहायज्ञा: कथमनुष्ठीयन्त इति सप्रमाणं विमृशत ।

9. सायणस्य वेदव्याख्यापद्धतिं सम्यग् विमृशत ।

10. सूत्रोल्लेखपूर्वकं रूपसिद्धिं कुरुत -
भवति, अजा

11. अर्थपरिवर्तनस्य दिशा: वर्ण्यन्ताम् ।

12. अध्यारोपस्वरूपं वेदान्तशास्त्रानुसारं विमृशत ।

13. भावनास्वरूपं सोदाहरणं विमृशत ।

14. रामायणानुसारं रामस्य पुरुषोत्तमस्वरूपं प्रतिपादयत ।

15. व्यासोच्छिष्टं जगत्सर्वमिति सम्यग्विवेचयत ।

16. मनुस्मृतिमनुसृत्य धर्मः विवेचनीयः ।

17. रघुवंशस्य प्रथमसर्गानुसारं दिलीपस्य प्रजापरिपालनप्रकारं वर्णयत ।

18. आनन्दवर्धनमनुसृत्य भक्तिर्ध्वनिरिति मतं निराकुरुत ।

19. ‘इति हेतुस्तदुद्भवे’ – इति सप्रकरणं व्याख्यात ।

20. न्यायवैशेषिकानुसारं प्रमाणलक्षणं कुर्वन् तद्भेदान् प्रतिपादयत ।

SECTION – III

खण्डः – III

Note : This section contains **five (5)** questions from each of the electives/specialisations. The candidate has to choose only **one** elective/specialisation and answer all the **five** questions from it. Each question carries **twelve** (**12**) marks and is to be answered in about **two hundred** (**200**) words. **(12 × 5 = 60 Marks)**

सूचना : अस्मिन् खण्डे एकैकस्मिन् ऐच्छिकविषये **पञ्च-पञ्च** प्रश्नाः सन्ति । **एकं** ऐच्छिकं विषयं चित्वा अभ्यर्थिना तस्य **पञ्च** प्रश्नाः समाधेयाः । एकैकस्य प्रश्नस्य **द्वादश (12)** अङ्काःसन्ति, उत्तरं तावत् प्रायशः **द्विशत (200)** शब्दात्मकं लेखनीयम् । **(12 × 5 = 60 अंङ्काः)**

Elective-I

ऐच्छिकः-I

21. "सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च" इति सन्दर्भानुसारं सूर्यसूक्तं समीक्ष्यताम् ।

22. कालस्वरूपम् अथर्ववेदीयकालसूक्तानुसारं विवेचयत ।

23. अग्निष्टोमसंस्थानां संक्षिप्तपरिचयो देयः ।

24. सन्ध्यक्षरम् । रिफितः । प्रगृह्यम् । स्वरभक्तिः ।
    एतेषां सोदाहरणं विवेचनं क्रियताम् ।

25. दैवतकाण्डमनुसृत्य देवताकारचिन्तनं विविच्यताम् ।

OR / अथवा

Elective-II

ऐच्छिकः-II

21. वाक्यपदीयानुसारं शब्दब्रह्मणः स्वरूपं वर्णयत ।

22. द्वन्द्वसमासस्य किं वैशिष्ट्यम् ? लक्षणोदाहरणपूर्वकं लिखत ।

23. सूत्रोल्लेखपूर्वकं समासप्रक्रियां लिखत
    चोरभयम्, अक्षशौण्डः, कालातीतः, पीताम्बरः

24. आत्मनेपदविधायीनि त्रीणि सूत्राणि लिखित्वा सोदाहरणं व्याख्यानं कुरुत ।

25. कति आभ्यन्तरप्रयत्नाः कति च बाह्यप्रयत्नाः । सोदाहरणं विवेचनं कुरुत ।

OR / अथवा

Elective-III

ऐच्छिक:-III

21. योगसूत्र व्यासभाष्यमनुसृत्य समाधिं विशदयत ।

22. योगाङ्गानि निरूपयत ।

23. ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्यानुसारं ब्रह्मविचारं कुरुत ।

24. न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्यनुसारम् अनुमानं विशदयत ।

25. जैनदर्शनानुसारं स्याद्वादं विवेचयत ।

OR / अथवा

Elective-IV

ऐच्छिक:-IV

21. मम्मटाचार्यमनुसृत्य लक्षणाभेदान् सोदाहरणं विशदयत ।

22. कुन्तकेन प्रतिपादितं मार्गत्रैविध्यं सोदाहरणं स्पष्टयत ।

23. काव्यमीमांसानुसारं काव्यकारणं प्रतिपादयत ।

24. जगन्नाथाभिमतं रससूत्रव्याख्यानं कुरुत ।

25. जगन्नाथोक्तदिशा काव्यप्रभेदान् सलक्षणं सोदाहरणञ्च प्रदर्शयत ।

OR / अथवा

Elective-V

ऐच्छिक:-V

21. चन्द्रगुप्तद्वितीयस्य मथुराशिलालेखं वर्णयत ।

22. चन्द्रकृतमहरौलीशिलालेखस्य महत्त्वमुपपादयत ।

23. मिहिरकुलकृतग्वालियरशिलालेखस्य वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत ।

24. यशोवर्मदेवकालीननालन्दाशिलालेखस्य महत्त्वं विशदयत ।

25. प्रभावतीगुप्ताया: पूनाताम्रपट्टाभिलेखस्य महत्त्वं निरूपयत ।

SECTION – IV

खण्ड: – IV

Note : This section consists of **one** essay type question of **forty** (**40**) marks to be answered in about **one thousand** (**1000**) words on any one of the following topics.

(1 × 40 = 40 Marks)

सूचना : अस्मिन् खण्डे **चत्वारिंशत् (40)** अङ्कपरिमित: निबन्धात्मकप्रश्न: अस्ति । अधो निर्दिष्टविषयेषु एकमाश्रित्य प्रायश: **(1000)** सहस्रशब्दपरिमितम् उत्तरं देयम् । **(1 × 40 = 40 अङ्का:)**

26. ऋग्वेदस्य वैशिष्ट्यम्

अथवा

उपनिषदां महत्त्वम्

अथवा

व्याकरणशास्त्रे शब्दनित्यत्वम्

अथवा

व्याकरणदर्शनस्य स्वरूपम्

अथवा

भारतीयदर्शन मोक्षसिद्धान्त:

अथवा

हेत्वाभासा:

अथवा

काव्ये रसस्य प्राधान्यम्

अथवा

काव्यलक्षणविचार:

अथवा

शिलालेखानामैतिहासिकं महत्त्वम्

अथवा

स्कन्दगुप्तस्य भितरीस्तम्भलेखस्य ऐतिहासिकता ।